दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-२ ला अंक-३९ वा शुक्रवार ७ नवंबर २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

अजीत पवार के बेटे द्वारा पुणे में ४० एकड़ भूखंड की ख़रीद में घोटाला?

५०० रुपये की स्टांप ड्यूटी पर ज़मीन ख़रीद; अधिकारी निलंबित, मुख्यमंत्री ने जाँच के दिए आदेश

रिपोर्ट: जमीर काज़ी,
मुंबई, ६ नवंबर

पुणे के जैन बोर्डिंग भूमि ख़रीद प्रकरण में केंद्रीय राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोळ पर लगे आरोपों की चर्चा अभी थमी भी नहीं थी कि अब पुणे में एक और बड़ा भूमि घोटाला सामने आया है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बड़े बेटे पार्थ पवार की अमीडिया इन्फ्रास्ट्रक्चरल कंपनी ने कोरेगांव पार्क स्थित लगभग २००० करोड़ रुपये मूल्य की महार वतन की ४० एकड़ ज़मीन केवल ३०० करोड़ रुपये में ख़रीद ली।

और सबसे हैरानी की बात यह है कि इस ज़मीन की खरीद के लिए मात्र ५०० रुपये की स्टांप ड्यूटी भरकर यह पूरा सौदा सिर्फ दो दिनों में रजिस्टर किया गया। बताया जाता है कि यह प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से पूरी की गई।

इस घोटाले के उजागर होने के बाद विपक्ष ने अजीत पवार और महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तत्काल जाँच के आदेश जारी किए हैं और कहा है कि ७ दिनों में रिपोर्ट मिलने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। इस बीच मुद्रांक शुल्क विभाग के एक कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया है तथा पुणे के बावधन पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

अंबादास दानवे का आरोप

शिवसेना (ठाकरे गुट) के नेता अंबादास दानवे ने इस पूरे गैरव्यवहार की जानकारी सार्वजनिक की। उन्होंने आरोप लगाया कि महार वतन की ४० एकड़ ज़मीन पार्थ पवार की कंपनी ने केवल ३०० करोड़ रुपये में ख़रीदी, जबकि स्टांप ड्यूटी सिर्फ ५०० रुपये दी गई।

दानवे ने सवाल उठाया कि अमीडिया कंपनी की पूंजी सिर्फ १ लाख रुपये है, तो फिर ३०० करोड़ रुपये का लेन-देन कैसे हुआ?

सरकारी मंज़ूरी के बिना ख़रीद का आरोप

दानवे ने आगे बताया कि इस ज़मीन का ऐतिहासिक और क़ानूनी महत्व है। जब सरकार ने इसे वापस मालिकों को दी थी, तो कुछ शर्तें लगाई थीं। कलम ५(३) के अनुसार, ऐसी ज़मीन बिना सरकारी मंज़ूरी के न तो बेची जा सकती है और न ही ट्रांसफ़र की जा सकती है।

अब पार्थ पवार पर आरोप है कि उन्होंने सरकारी अनुमति के बिना यह ज़मीन ख़रीद ली और ५०० रुपये की स्टांप ड्यूटी देकर दस्तावेज़ तैयार करवाया। सिर्फ दो दिनों में पूरा सौदा पक्का किया गया, जो स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है। इससे पार्थ

Department of Registration and Stamps
(Government of Maharashtra)

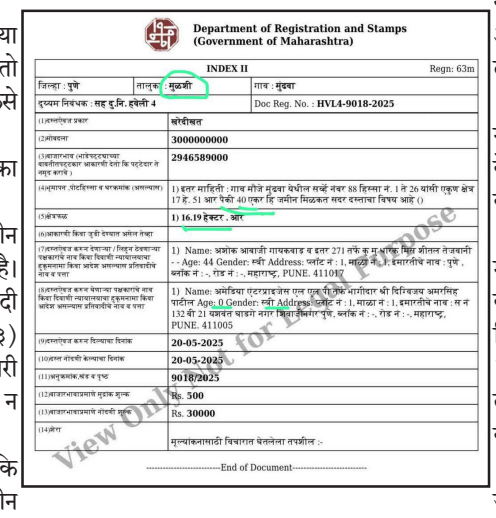

INDEX II		Regn: 63m
जिल्हा : पुणे	तालुका : मुळशी	गाव : मुंढवा
दुय्यम निबंधक : सह दु.नि. हवेली 4		Doc Reg. No. : HVL4-9018-2025

(1)दस्तऐवज प्रकार	खरेदीखत
(2)मोबदला	3000000000
(3)बाजारभाव (भाडेपट्टयाच्या बाबतीतपट्टाकार आकारणी देतो कि पट्टेदार ते नमूद करावे)	2946589000
(4)भूमापन ,पोटहिस्सा व घरक्रमांक (असल्यास)	1) इतर माहिती : गाव मौजे मुंढवा येथील सर्व्हे नंबर 88 हिस्सा नं. 1 ते 26 यांसी एकुण क्षेत्र 17 हे. 51 आर पैकी 40 एकर हि जमीन मिळकत सदर दस्ताचा विषय आहे ()
(5)क्षेत्रफळ	1) 16.19 हेक्टर . आर
(6)आकारणी किंवा जुडी देण्यात असेल तेव्हा	
(7)दस्तऐवज करून देणाऱ्या / लिहून ठेवणाऱ्या पक्षकाराचे नाव किंवा दिवाणी न्यायालयाचा हुकुमनामा किंवा आदेश असल्यास प्रतिवादीचे नाव व पत्ता	1) Name: अशोक आवाजी गायकवाड व इतर 271 तर्फे कु मु धारक मिस शीतल तेजवानी - - Age: 44 Gender: स्त्री Address: प्लॉट नं : 1, माळा नं : 1, इमारतीचे नाव : पुणे , ब्लॉक नं : -, रोड नं : -, महाराष्ट्र, PUNE. 411017
(8)दस्तऐवज करून घेणाऱ्या पक्षकाराचे नाव किंवा दिवाणी न्यायालयाचा हुकुमनामा किंवा आदेश असल्यास प्रतिवादीचे नाव व पत्ता	1) Name: अमेडिया एंटरप्राइजेस एल एल पी तर्फे भागीदार श्री दिग्विजय अमरसिंह पाटील Age: 0 Gender: स्त्री Address: प्लॉट नं : 1, माळा नं : 1, इमारतीचे नाव : स नं 132 बी 21 यशवंत घाडगे नगर शिवाजीनगर पुणे, ब्लॉक नं : -, रोड नं : -, महाराष्ट्र, PUNE. 411005
(9)दस्तऐवज करून दिल्याचा दिनांक	20-05-2025
(10)दस्त नोंदणी केल्याचा दिनांक	20-05-2025
(11)अनुक्रमांक,खंड व पृष्ठ	9018/2025
(12)बाजारभावाप्रमाणे मुद्रांक शुल्क	Rs. 500
(13)बाजारभावाप्रमाणे नोंदणी शुल्क	Rs. 30000
(14)शेरा	मुल्यांकनासाठी विचारात घेतलेला तपशील :-

View Only Not for Legal Purpose

------------------End of Document------------------

पवार की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

क्या है महार वतन ज़मीन?

महार वतन प्रणाली ब्रिटिश शासन से पहले की एक व्यवस्था थी जिसमें महार समाज को गाँव की रक्षा, संदेश पहुँचाने और अन्य सेवाओं के बदले कुछ ज़मीन दी जाती थी।

हालांकि यह व्यवस्था शोषणकारी बन गई थी - महार समाज को कठोर मेहनत के बावजूद कम ज़मीन दी जाती थी और कई बार वह भी वापस ले ली जाती थी।

इस अन्याय को समाप्त करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे इन्फीरियर विलेज वतन उन्मूलन अधिनियम, १९५८ लागू किया। इस क़ानून के तहत सरकार ने 'वतन' के नाम पर दी गई ज़मीनें वापस लीं और कुछ शर्तों के साथ पुनः मालिकों को सौंपीं।

मुख्यमंत्री फडणवीस बोले - विस्तृत जाँच होगी इस मामले पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा - मैंने इस प्रकरण की जानकारी मांगी है। राजस्व विभाग, आईजीआर और भूमि अभिलेख विभाग से संबंधित जानकारी ली जा रही है। मैंने उचित जांच के आदेश दिए हैं। प्रारंभिक स्तर पर जो तथ्य सामने आए हैं, वे गंभीर हैं, इसलिए पूरी जानकारी लेकर ही आगे बोलना उचित होगा।

अजीत पवार का जवाब - मेरा इस सौदे से कोई संबंध नहीं

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने सफाई देते हुए कहा -

मुझे इस ज़मीन ख़रीदारी के बारे में कुछ भी जानकारी नहीं है और मेरा इस सौदे से कोई संबंध नहीं है। यह उनका निजी व्यवहार है। मुख्यमंत्री इसकी जांच करवाकर उचित कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि ३-४ महीने पहले जब यह मामला मेरे संज्ञान में आया था, तो मैंने उन्हें (पार्थ पवार को) सलाह दी थी कि ऐसा कोई काम न करें। इस सौदे में 'जिजाई' नामक बंगला पार्थ पवार के नाम पर बताया जा रहा है।

ज़ीनत शबरीन की क़ियादत में नौजवानों को नई दिशा मिलेगी-हर्षवर्धन सपकाळ

ज़ीनत शबरीन यूथ कांग्रेस की अनमोल पूंजी हैं, राजनीति में कुछ कर दिखाने का जज़्बा और सेवा का संकल्प ही उनकी पहचान है

मुंबई - जमीर काजी

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने कहा कि ज़ीनत शबरीन राजनीति में एक नायाब हीरे की तरह हैं, जिनके भीतर जज़्बा, हौसला और संघर्ष की शक्ति है। उनका कोई पारिवारिक राजनीतिक बैकग्राउंड नहीं है, लेकिन उनके अंदर जनता की सेवा का जुनून और मेहनत करने की अद्भुत ताक़त है। उनकी क़ियादत में मुंबई यूथ कांग्रेस को एक नई दिशा और मज़बूत पहचान मिलेगी।

हर्षवर्धन सपकाळ ने ये बातें मुंबई यूथ कांग्रेस की नई निर्वाचित अध्यक्ष ज़ीनत शबरीन के पदभार ग्रहण समारोह में कहीं। यह कार्यक्रम यशवंतराव चव्हाण सेंटर, मुंबई में आयोजित किया गया, जिसमें महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ के अलावा ऑल इंडिया यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब्ब और कई वरिष्ठ नेताओं ने शिरकत की। इस मौके पर ज़ीनत शबरीन के साथ अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने पद का चार्ज लिया।

कार्यक्रम में सीडब्ल्यूसी सदस्य नसीम ख़ान, विधायक भाई जगताप, राज्य उपाध्यक्ष मोहन जोशी, महिला कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष संध्या सवालाखे, राष्ट्रीय प्रवक्ता चरण सिंह सप्रा, यूथ कांग्रेस इंचार्ज अजय चंकारा, राज्य यूथ कांग्रेस अध्यक्ष शिवराज मोरे, मुंबई इंचार्ज पवन मजीठिया, राज्य कांग्रेस महासचिव एडवोकेट संदीश कोंडोलकर, भूषण पाटिल, शाह आलम शेख सहित बड़ी तादाद में कार्यकर्ता मौजूद थे।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य नसीम ख़ान ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा रहना चाहिए और संगठन को मज़बूत बनाने के लिए एक बूथ, दस यूथ के फ़ॉर्मूले पर अमल ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई, बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार के मसले गंभीर होते जा रहे हैं, जबकि नगर निगम चुनाव पिछले पांच सालों से टाले जा रहे हैं। राज्य सरकार के अधीन प्रशासन में भ्रष्टाचार में बढ़ोतरी हुई है।

नसीम ख़ान ने कहा कि यूथ कांग्रेस को जनता के मुद्दे उठाकर सरकार से जवाब-तलब करनी चाहिए और राहुल गांधी के मिशन-ए-जम्हूरियत को मज़बूती देनी चाहिए।

ऑल इंडिया यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब्ब ने अपने संबोधन में कहा कि जब बीजेपी सरकार देश के नौजवानों की आवाज़ दबाने की कोशिश करती है, तब यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों के पीछे सभी को मजबूती से खड़ा रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि ज़ीनत शबरीन में संघर्ष और नेतृत्व की काबिलियत है, और उनकी सरपरस्ती में मुंबई यूथ कांग्रेस ज़रूर शानदार प्रदर्शन करेगी और कांग्रेस का मान बढ़ाएगी।

राज्य यूथ कांग्रेस अध्यक्ष शिवराज मोरे ने कहा कि महाराष्ट्र में इस वक़्त हालात बेहद नाज़ुक हैं, । उन्होंने ऐलान किया कि महायुति सरकार के ख़िलाफ़ सड़कों पर उतरकर जनसंघर्ष छेड़ा जाएगा।

नई निर्वाचित मुंबई यूथ कांग्रेस अध्यक्ष ज़ीनत शबरीन ने अपने संबोधन में कहा कि राजनीति सेवा का मैदान है, सत्ता का नहीं। २००४ में जब प्रधानमंत्री बनने का मौका आया तो सोनिया गांधी ने उसे ठुकरा दिया था, यही कुर्बानी आज भी हमें राजनीति में रहनुमाई का रास्ता दिखाती है। उन्होंने कहा कि मुंबई वह शहर है जहाँ कांग्रेस की बुनियाद रखी गई और जहाँ राजीव गांधी का जन्म हुआ। इस शहर की यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष बनना मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आज नौजवानों में बेरोज़गारी बढ़ रही है, आत्महत्याओं की दर ख़तरनाक स्तर तक पहुँच चुकी है, और इन मुद्दों पर आवाज़ उठाना वक़्त की ज़रूरत है। उन्होंने घोषणा की कि आगामी नगरपालिका चुनाव जल्द होने वाले हैं और यूथ कांग्रेस पार्टी को कामयाब बनाने के लिए पूरे जोश और जज़्बे के साथ मैदान में उतरेगी।

ज़ीनत शबरीन यूथ कांग्रेस की अनमोल पूंजी हैं, राजनीति में कुछ कर दिखाने का जज़्बा और सेवा का संकल्प ही उनकी पहचान है

मनोज जरांगे की हत्या की साजिश!

गेवराई के दोषी हिरासत में; जिले में सनसनी

बीड जिला (प्रतिनिधि) - मराठा आरक्षण की लड़ाई को तेज करने वाले मनोज जरांगे की हत्या की साजिश का पर्दाफाश होने से सनसनी फैल गई है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। मनोज जरांगे की हत्या के लिए पूरे आठ करोड़ रुपये की सुपारी दी गई थी, यह जानकारी सामने आई है। इस मामले में जालना पुलिस अधीक्षक को जरंगे पाटिल के सहयोगी गंगाधर काळकुटे ने सूचना दी थी, जिसके बाद स्थानीय अपराध शाखा ने तुरंत कार्रवाई कर बीड जिले से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया।

जरांगे को सुरक्षा दें - विधायक क्षीरसागर

मनोज जरांगे को जान से मारने की साजिश, समाज के कुछ असामाजिक तत्वों ने रची है। इससे उनकी सुरक्षा का मुद्दा महत्वपूर्ण और संवेदनशील हो गया है। इसका गहराई से जांच हो और जरांगे को कड़ी सुरक्षा दी जाए, ऐसी मांग विधायक संदीप क्षीरसागर ने मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को पत्र के माध्यम से की है।

मनोज जरांगे की सुरक्षा बढ़ाने के पंकजा मुंडे के आदेश

मराठा आंदोलक मनोज जरांगे के जीवन को खतरा होने की खबरें मीडिया में आने के बाद राज्य की पर्यावरण एवं पशुपालन मंत्री तथा जालना की पालक मंत्री पंकजा मुंडे ने जालना के पुलिस अधीक्षक अजयकुमार बनसाल से संपर्क कर इस विषय पर चर्चा की। इस मामले की गंभीरता से जांच कर जरांगे की सुरक्षा बढ़ाने के आदेश आज दिए गए।

गुप्त बैठकों में रची गई साजिश?

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि बीड शहर में कुछ दिन पहले हत्या की साजिश रचने के लिए गुप्त बैठकें हुई थीं। इन बैठकों में जरंगे पाटिल के परिचित कुछ लोग मौजूद थे। इन्हीं बैठकों में हत्या के लिए आठ करोड़ रुपये की डील तय हुई थी। जानकारी मिलते ही गंगाधर काळकुटे ने पुलिस में लिखित शिकायत की। इसके बाद स्थानीय अपराध शाखा ने आधी रात को छापा मारकर दो लोगों को हिरासत में लिया।

सांसद सोनवणे का मुख्यमंत्री को पत्र

मराठा आंदोलक मनोज जरांगे की हत्या की साजिश रची गई है। इस मामले में सुरक्षा मंत्री के माध्यम से जांच की जाए, ऐसी मांग सांसद बजरंग सोनवणे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र के जरिए की है।

जरांगे ने ली पुलिस अधिकारियों से मुलाकात

इस गंभीर घटना की जानकारी मिलने पर जरांगे पाटिल ने स्वयं इसकी सुध ली और जालना पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, मराठा आरक्षण आंदोलन को कमजोर करने के लिए कुछ ताकतें प्रयास कर रही हैं, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे। हमारे जान पर बन आए तो भी समाज के लिए लड़ेंगे।

पूरे राज्य में सनसनी

इस घटना से राज्य का राजनीतिक माहौल हिल गया है। क्योंकि जरांगे पाटिल मराठा आरक्षण आंदोलन के प्रमुख नेता हैं और उनके नेतृत्व में राज्य भर में बड़े आंदोलन हुए हैं। इसलिए उनकी हत्या की साजिश सामने आना गंभीर मामला माना जा रहा है। इस साजिश के पीछे राजनीतिक ताकतों का हाथ है या नहीं, यह सवाल अब पूरे राज्य में चर्चा में है।

सुरक्षा में वृद्धि

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया, ऐसा अधिकारियों का कहना है। फिलहाल मनोज जरांगे पाटिल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उन्हें अतिरिक्त पुलिस संरक्षण दिया गया है। सरकार ने इस मामले के सभी दोषियों को कड़ी सजा देने का आश्वासन दिया है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

बीड़ में स्थानीय स्वराज्य चुनाव का समीकरण बदला!

हाथ और झाड़ू भी मैदान में-शरद पवार की बीड़ नगर पालिका में दिलचस्पी, एमआयएम की भी नज़र

बीड़ / प्रतिनिधि

बीड़ ज़िले में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव नज़दीक आते ही राजनीतिक तापमान तेज़ी से बढ़ गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार के हालिया बयान ने राजनीति में नई हलचल मचा दी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा को छोड़कर किसी से भी गठबंधन करें, स्थानीय समीकरण अपने ढंग से बनाएं - और इस बयान को राजनीतिक गलियारों में एक बड़ा संकेत माना जा रहा है।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी यह स्पष्ट कर दिया है कि वह स्वबल (अपने दम पर) चुनाव लड़ेगी।

अब सबकी नज़रें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) पर टिकी हैं - क्या यह गुट अकेले मैदान में उतरेगा या किसी के साथ गठबंधन करेगा, इस पर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं है।

ऐसे में राजनीतिक समीकरणों के अचानक बदलने की पूरी संभावना बनी हुई है।

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की नज़दीकी से बढ़ी सरगर्मी

बीड़ जिले का राजनीतिक गणित तब और दिलचस्प हो गया जब उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच राजनीतिक निकटता देखने को मिली।

अब यह देखना होगा कि क्या ये दोनों नेता वास्तव में मैदान में साथ उतरते हैं या यह महज़ फोटो-फ्रेम गठबंधन तक ही सीमित रहेगा।

इसी बीच शिवसेना शिंदे गुट किस पक्ष में झुकेगा, यह भी इस चुनाव का मुख्य पावर पॉइंट माना जा रहा है।

-IMIM² और वंचित बहुजन आघाड़ी की स्थिति अस्पष्ट

अब तक -IMIM² (ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन) और वंचित बहुजन आघाड़ी ने अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है।

अभी तक यह सामने नहीं आया है कि ये दल किसी गठबंधन में शामिल होंगे या अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे।

हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दोनों ही दलों का मतदान समीकरणों पर असरदार प्रभाव रहेगा।

महिलाओं की आरक्षित सीटों पर गुपचुप रणनीति

अब तक सीटों की औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों पर नए चेहरों और गुप्त लॉबिंग की चर्चा जोरों पर है।

युवा वर्ग भी चुनावी मैदान में उतरने के लिए पूरी तैयारी में है और बस घोषणा की प्रतीक्षा कर रहा है।

बीड़ में दिख रही है सामने दोस्ती, पीछे समीकरण की राजनीति

बीड़ ज़िले में इस समय राजनीति का फुल स्पीड पॉलिटिकल इंजीनियरिंग मॉडल चल रहा है -

जहां सामने दोस्ती दिखाई जा रही है, लेकिन पीछे समीकरण गुपचुप बदल रहे हैं।

आख़िरकार कौन किसके साथ है, इसका खुलासा उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होते ही सामने आ जाएगा।

और कांग्रेस भी मैदान में सक्रिय

सूत्रों के अनुसार, आम आदमी पार्टी (--झ) भी झाड़ू के चुनाव चिन्ह के साथ नगराध्यक्ष और नगरसेवक सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है।

वहीं कांग्रेस पार्टी भी हाथ निशान के साथ नई रणनीति पर काम कर रही है।

अंबाजोगाई में सिद्दीकी को नगराध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा तेज़ है।

बीड़ नगर परिषद के इस बार के चुनाव में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं -

हर पार्टी अपनी चाल सोच-समझकर चल रही है, और जनता की नज़र अब इस पर है कि

शरद पवार का संकेत किस ओर जाता है, और बीड़ का नगरसिंहासन आखिर किसे मिलता है!

जिल्हाध्यक्ष शंकर देशमुख की मौजूदगी में गेवराई में पंडित-पवार की बैठक!

चुनाव के लिए इच्छुक उम्मीदवारों के इंटरव्यू लिए जाएंगे

गेवराई (काज़ी अमान) -

स्थानीय स्वराज्य संस्था (नगर परिषद, पंचायत समिति, जिला परिषद) के चुनावों की पृष्ठभूमि पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक महत्त्वपूर्ण बैठक गेवराई में आयोजित की गई।

इस बैठक में भाजपा जिल्हाध्यक्ष शंकरराव देशमुख, भाजपा नेता और पूर्व राज्यमंत्री बदामराव पंडित, तथा भाजपा युवा नेता बालराजे पवार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी चुनावों के लिए भाजपा के इच्छुक उम्मीदवारों के इंटरव्यू लेना है।

पार्टी पदाधिकारियों और युवा नेता यशराज पंडित तथा शिवराज पवार ने सभी इच्छुक कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

भाजपा की ताकत बढ़ी - पंडित और पवार एक मंच पर

पूर्व राज्यमंत्री बदामराव पंडित और युवा नेता बालराजे पवार दोनों के एक साथ भाजपा में सक्रिय आने से पार्टी की ताकत नगर परिषद, पंचायत समिति और जिला परिषद चुनावों में और मज़बूत हुई है।

इसी कारण अब भाजपा से चुनाव लड़ने के इच्छुकों की संख्या में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

इन्हीं तैयारियों के तहत शनिवार, ८ अक्टूबर २०२५ को सुबह ११ बजे, गेवराई शहर के कोल्हार रोड स्थित गजानन मंगल कार्यालय में भाजपा के संभावित उम्मीदवारों की चयन बैठक (इंटरव्यू सत्र) आयोजित की गई है।

बैठक में उपस्थित प्रमुख नेता

इस बैठक में निम्न प्रमुख नेता उपस्थित रहेंगे:

भाजपा जिल्हाध्यक्ष शंकरराव देशमुख

भाजपा नेता व पूर्व राज्यमंत्री बदामराव पंडित

भाजपा युवा नेता बालराजे पवार

जिला परिषद के पूर्व सभापति युधाजित पंडित

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सर्जेराव तांदळे

जिला उपाध्यक्ष नवनाथ शिराळे

जिला उपाध्यक्ष सुंदर चव्हाण

जिला सचिव एडवोकेट सुरेशराव हात्ते

युवा नेता रोहित भैय्या पंडित

गेवराई विधानसभा समन्वयक श्रीकांत सानप

भाजपा वरिष्ठ नेता प्रकाशराव सुरवसे

तालुका अध्यक्ष एडवोकेट उद्धव रासकर

सचिन दाभाडे, मनोज पाटील, राजेश पवार और रूपालीताई कचरे

सभी कार्यकर्ताओं को आमंत्रण भाजपा पदाधिकारियों ने अपील की है कि

गेवराई विधानसभा क्षेत्र के सभी जिला परिषद, पंचायत समिति और नगर परिषद चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ता,

तथा बदामराव पंडित मित्र मंडळ के सभी वरिष्ठ और युवा कार्यकर्ता इस बैठक में उपस्थित रहें। यह आह्वान भाजपा युवा नेता यशराज पंडित, शिवराज पवार और अन्य सभी भाजपा पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया है।

भागवत तावरे संभालेंगे नगर परिषद चुनावों की कमान

मुख्य प्रवक्ता और मीडिया प्रमुख के रूप में राष्ट्रवादी पार्टी ने सौंपी आधिकारिक ज़िम्मेदारी

बीड़ प्रतिनिधि

बीड़ ज़िले की छह नगर परिषदों के चुनावों के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (छउझ) ने आज भागवत तावरे को मुख्य प्रवक्ता, मीडिया प्रमुख, और मीडिया के समक्ष आधिकारिक प्रतिक्रिया देने वाले अधिकृत प्रवक्ता के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है।

हिंदी, उर्दू और मराठी तीनों भाषाओं पर समान अधिकार रखने वाले भागवत तावरे को एक सशक्त वक्ता, लेखक और रणनीतिकार के रूप में जाना जाता है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि तावरे की नियुक्ति से राष्ट्रवादी पार्टी को चुनावों में एक तेज़ और प्रभावी हथियार मिला है।

जिल्हा अध्यक्ष राजेश्वर आबा चव्हाण ने घोषणा करते हुए कहा कि बीड़ ज़िले की सभी छह नगर परिषदों के लिए भागवत तावरे को यह ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। अब वे मीडिया के समक्ष पार्टी की ओर से आधिकारिक बयान देंगे और जनसंपर्क अभियान का नेतृत्व करेंगे।

गुलाल का रणनीतिकार और दमदार वक्ता

पत्रकारिता में डेढ़ दशक से अधिक समय देने वाले भागवत तावरे का भाषण हमेशा जोश और रोमांच से भरपूर होता है।

उर्दू में बोलते समय उनका अंदाज़ बयान की तरह असरदार होता है, जबकि मराठी में वे प्रवचनकार जैसे लगते हैं।

बीड़ ज़िले की कई चुनावी लड़ाइयों में भागवत तावरे कभी पर्दे के पीछे रणनीति बनाने वाले तो कभी मंच पर जोश भरने वाले रहे हैं।

उन्होंने संकट के समय यह दिखाया है कि क्या बोलना है, क्या नहीं बोलना, और जनता से संवाद कैसे स्थापित करना है।

राजनीतिक सभाओं को सफल बनाने की उनकी क्षमता उन्हें एक अलग पहचान देती है।

राष्ट्रवादी पार्टी के वक्ता के रूप में तावरे मुस्लिम समाज में प्रभाव डाल सकते हैं और नीतिगत स्तर पर भी पार्टी को उनका लाभ मिल सकता है।

राजनीति में नेताओं के बीच समन्वयक और जनता से जोड़ने वाले सेतु के रूप में भागवत तावरे की भूमिका आगामी चुनावों में पार्टी के लिए निर्णायक साबित हो सकती है - ऐसा राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है।

पैर फिसलकर कुएँ में गिरने से महिला की मौत

बीड़, ६ नवंबर (प्रतिनिधि रिपोर्ट) -

मायके आई एक विवाहित महिला की मौत उस समय हो गई जब वह अपने पिता के खेत में कपास की फसल देखने गई थी और पैर फिसलकर कुएँ में गिर गई। यह दर्दनाक घटना ३ अक्टूबर को शिरूर तालुका के उकिर्डा चकला गांव में हुई। इस मामले में शिरूर पुलिस थाने में आकस्मिक मृत्यु (-ccidental Death) कममामलादर्ज किया गया है।

मृतक महिला का नाम राजूबाई रावसाहेब चौरे (उम्र ३६ वर्ष) बताया गया है।

वह अपने ससुराल खंडळा (तालुका बीड़) से मायके उकिर्डा चकला में अपने पिता के घर आई हुई थीं।

३ अक्टूबर की दोपहर राजूबाई अपने पिता के खेत में कपास की फसल की स्थिति देखने गई थीं।

परीक्षण करते समय जब वह कुएँ के पास पहुँचीं, तो अचानक पैर फिसल गया और वे कुएँ में गिर गईं।

बारिश के कारण कुएँ में पानी भरा हुआ था और चूँकि उन्हें तैरना नहीं आता था, इसलिए वे डूब गईं और उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

धारूर में दिनदहाड़े चाकू से हमला

किल्ले धारूर, ६ नवंबर (प्रतिनिधि रिपोर्ट) -

शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक में गुरुवार को दिनदहाड़े एक चौंकाने वाली वारदात घटी।

एक युवक ने टपरी चालक (चाय-नाश्ता विक्रेता) हनुमंत शिवाजी फावडे (उम्र २७ वर्ष, निवासी - गायकवाड़ गली, किल्ले धारूर) पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया।

हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, और पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, हमलावर युवक स्थानीय बिरयानी होटल में काम करने वाला कर्मचारी बताया जा रहा है।

हमले का सही कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि किसी छोटे-मोटे विवाद के चलते यह घटना हुई। इस अचानक हुई हिंसक घटना से नागरिकों में दहशत और भय का माहौल फैल गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और गंभीर रूप से घायल हनुमंत फावडे को इलाज के लिए अंबाजोगाई के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज कर दी है और इस मामले में अपराध दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

आचार संहिता से संबंधित प्रस्तावों के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति का गठन

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

राज्य निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिए हैं कि स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं (नगर परिषद, नगर पंचायत आदि) के सार्वत्रिक चुनावों के दौरान आचार संहिता से छूट देने के लिए प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करने हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाए - ठीक वैसे ही जैसे लोकसभा और विधानसभा चुनावों के समय बनाई जाती है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे की अध्यक्षता में १६ अक्तूबर को आयोग के कार्यालय में मुख्य सचिव और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई थी। उस बैठक में निर्णय लिया गया कि स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों के दौरान आचार संहिता से छूट दिए जाने संबंधी सभी प्रस्तावों की जांच यह समिति करेगी और राज्य निर्वाचन आयोग को अपनी सिफारिशें भेजेगी।

इसलिए, राज्य सरकार के सभी विभागों को यह निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में आचार संहिता से संबंधित कोई भी प्रस्ताव सीधे भेजने के बजाय, इन्हें इसी समिति के माध्यम से राज्य निर्वाचन आयोग को प्रेषित किया जाए।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार, ३१ जनवरी २०२६ तक सभी लंबित स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों की प्रक्रिया पूरी करना आवश्यक है। इस दिशा में शुरुआत नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनावों से की गई है।

इन चुनावों के लिए इस समय आचार संहिता लागू है, लेकिन यह समिति सभी आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों के लिए भी सक्रिय रूप से कार्य करती रहेगी।

लक्ष्मीमाता पतसंस्था के खिलाफ एक और मामला दर्ज

बीड़, ६ नवंबर (प्रतिनिधि रिपोर्ट) -

उच्च ब्याज दर के लालच में नागरिकों से सावधि जमा (Fixed Deposit) स्वीकार करने और बाद में पैसे वापस न करने के कारण लक्ष्मीमाता पतसंस्था पर ५५ लाख ३० हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस प्रकरण में पतसंस्था के अध्यक्ष और संचालक मंडल के खिलाफ बीड़ ग्रामीण पुलिस थाने में एक और आपराधिक मामला दर्ज किया गया है।

इससे पहले भी इस पतसंस्था के खिलाफ करीब तीन आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं।

लक्ष्मीमाता अर्बन पतसंस्था की शाखा बीड़ तालुका के कुर्ला गांव में स्थित है। इस संस्था ने नागरिकों को आकर्षक और ऊँचे ब्याज दर देने का लालच देकर करोड़ों रुपये की जमा राशियाँ एकत्र कीं।

लेकिन बाद में संस्था जमाकर्ताओं के पैसे लौटाने में असमर्थ रही और अंततः संस्था बंद हो गई।

पहले से ही बीड़ शहर और अन्य थानों में इस पतसंस्था के खिलाफ ३ से ४ मामले दर्ज हैं, और अब इसमें एक नया मामला और जुड़ गया है।

कुर्ला (तालुका बीड़) निवासी गणेश घोडके और अन्य जमाकर्ताओं ने २५ सितंबर २०२३ से ३० मई २०२४ के बीच कुर्ला शाखा में कुल ५५ लाख ३० हजार रुपये की सावधि जमा रखी थी।

अधिक ब्याज मिलने की उम्मीद में की गई ये जमा राशि संस्था ने लौटाई नहीं और बाद में पतसंस्था बंद कर दी गई।

इस मामले में पतसंस्था के अध्यक्ष परमेश्वर गुलाब राठोड़, अच्युत नेमू राठोड़, रामराज नागोराव तिडके, अतिक यूनुस पठाण, और विकास विलास वायकर के खिलाफ बीड़ ग्रामीण पुलिस थाने में धोखाधड़ी (फ्रॉड) का मामला दर्ज किया गया है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com